Daily Current Affairs

Date : 15 January, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	भारत रिन्यूएबल एक्सपो 2026
2.	नीति आयोग की एक्सपोर्ट प्रेपेयर्डनेस इंडेक्स (EPI) 2024 रिपोर्ट
3.	पेशा (PESA) अधिनियम : झारखंड में लागू
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. राज्य स्तरीय विशाल आरोग्य मेला 2026 2. राजस्थान महिला वॉलीबॉल टीम 3. 10वीं इंडो-नेपाल इंटरनेशनल चैम्पियनशिप
5.	पैक्स सिलिका
6.	फसल उत्सव
7.	DRDO ने तीसरी पीढ़ी की MPATGM का सफल फ्लाइट-टेस्ट किया
8.	टेक्स–रेम्पस योजना (Tex-RAMPS)
9.	भारत का मछली उत्पादन FY 2013-14 से FY 2024-25 तक दोगुना हो गया है।
10.	उत्तर प्रदेश राज्य बनाम अनुराध और अन्य मामला, 2026
11.	ट्रेड वॉच क्वार्टरली रिपोर्ट : नीति आयोग
12.	रिस्पॉन्सिबल नेशंस इंडेक्स (RNI)
13.	हेनली पासपोर्ट इंडेक्स

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

भारत रिन्यूएबल एक्सपो 2026

चर्चा में क्यों?

- **तिथि:** 16 से 18 जनवरी, 2026 (तीन दिवसीय)
- **स्थान:** वीटी ग्राउंड, मानसरोवर, जयपुर
- **आयोजक:** राजस्थान सोलर एसोसिएशन (आरएसए)
- **उद्घाटन:** 16 जनवरी को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा; ऊर्जा मंत्री हीरालाल नगर अध्यक्षता करेंगे

मुख्य बिन्दु:

- **स्केल:** देश का सबसे बड़ा रिन्यूएबल एक्सपो; 300+ बूथ एवं पवेलियन
- **प्रदर्शनी:** देश-विदेश की कंपनियाँ अपने उत्पाद, सेवाएं, इनोवेशन एवं तकनीक प्रस्तुत करेंगी
- यह कार्यक्रम भारत में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों और समाधानों पर केंद्रित है, और इसका विषय "नया भारत, नई ऊर्जा" है। एक्सपो में विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा, जैसे कि सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बैटरी स्टोरेज, और ग्रीन हाइड्रोजन।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

नीति आयोग की एक्सपोर्ट प्रेपेयर्डनेस इंडेक्स (EPI) 2024 रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- यह 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की निर्यात क्षमता, नीति, इंफ्रा एवं व्यापार माहौल का आकलन करती है।

मुख्य बिन्दु:

रिपोर्ट अवलोकन

- **रिलीज:** 14 जनवरी, 2026 (नई दिल्ली/जयपुर)।
- **उद्देश्य:** $1 ट्रिलियन निर्यात लक्ष्य (2030) हेतु पॉलिसी गाइड; कमजोरियाँ चिह्नित।
- **मुख्य पिलर:** 4 (नीति, बिजनेस इकोसिस्टम, निर्यात इकोसिस्टम, प्रदर्शन); 13 सब-पिलर।

राज्य	स्कोर	निर्यात हिस्सेदारी
महाराष्ट्र	68.01	32.7%
तमिलनाडु	64.41	15.4%
गुजरात	64.02	10.0%
उत्तर प्रदेश	59.30	6.1%

राजस्थान स्थिति

- **रैंक:** 17वां (पहले 13वां); स्कोर: 47.31 (एस्पायर कैटेगरी)।
- **निर्यात हिस्सा:** 2.3% (देश में 12वां); मध्यप्रदेश: 1.8%।
- **ताकत:** कृषि, खनिज, हस्तशिल्प, जीआई उत्पाद।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

चुनौतियां:

- लॉजिस्टिक्स लागत (समुद्र दूरी, मुंद्रा/कांडला निर्भरता)।
- आंतरिक जिले (बीकानेर, बाड़मेर): 800+ किमी दूरी।
- सीमित विविधता (खनिज, टेक्सटाइल); एमएसएमई वैश्विक पहुंच कम।
- कोल्ड चेन कमी; नीति क्रियान्वयन कमजोर।

सुधार सुझाव

- लॉजिस्टिक्स पार्क, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर।
- एमएसएमई के लिए RoDTEP, जीआई ब्रांडिंग।
- **निर्यात लक्ष्य:** ₹1.5 लाख करोड़ (2029 तक)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**राज्य स्तरीय विशाल आरोग्य मेला 2026** ■ आयुर्वेद विभाग द्वारा शिल्प कला केंद्र(जेकेके, जयपुर) में 15 से 18 जनवरी, 2026 तक राज्य स्तरीय विशाल आरोग्य मेला-2026 का आयोजन किया जा रहा है। **मुख्य आकर्षण** ■ आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी की निःशुल्क सेवाएँ। ■ आयुष औषधियों की प्रदर्शनी। ■ स्वस्थ जीवनशैली पर परामर्श।
2.	**राजस्थान महिला वॉलीबॉल टीम** ■ राजस्थान की सीनियर महिला वॉलीबॉल टीम ने 72 वर्षों में पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वाराणसी में आयोजित सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में टीम ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। **मुख्य उपलब्धियाँ** ■ **प्रतिद्वंद्वी:** हरियाणा को 1 घंटे 48 मिनट के कड़े मुकाबले में हराया। ■ **स्टार खिलाड़ी:** रजनी - टूर्नामेंट की बेस्ट ब्लॉकर ■ **कोच:** प्रभुलाल जाट
3.	**10वीं इंडो-नेपाल इंटरनेशनल चैम्पियनशिप** ■ नेपाल में आयोजित 10वीं इंडो-नेपाल इंटरनेशनल चैम्पियनशिप के बॉक्सिंग ईवेंट में जयपुर के ऋषभ भट्ट ने स्वर्ण पदक जीता। ऋषभ ने यह उपलब्धि अन्डर-14 वर्ग में हासिल की ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

पेशा (PESA) अधिनियम : झारखंड में लागू

चर्चा में क्यों?

- जनवरी, 2026 में झारखंड ने PESA नियमों को अधिसूचित किया है, जिसके तहत् जनजातीय स्वशासन को उसकी 5वीं अनुसूची के क्षेत्रों तक विस्तारित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **PESA अधिनियम का परिचय :** पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (PESA) संविधान के भाग IX (पंचायतीराज) को 5वीं अनुसूची के आदिवासी क्षेत्रों तक विस्तारित करता है, जिसमें ग्राम सभा को स्थानीय शासन, भूमि, वन और सामुदायिक संसाधनों पर प्राथमिक प्राधिकरण के रूप में मान्यता दी गई है।
- **लागू :** झारखंड सहित 9 राज्यों के अनुसूचित क्षेत्र में 24 दिसंबर, 1996 से लागू।

इतिहास :

- औपनिवेशिक शासनकाल में वन व भूमि कानून
- अनुच्छेद 244 के तहत् 5वीं अनुसूची के आदिवासी क्षेत्रों की रक्षा: : संविधान सभा
- 73वाँ संवैधानिक संशोधन (1992): पंचायतीराज में अनुसूचित क्षेत्रों को बाहर रखा गया।
- भूरिया समिति (1994-95)
- PESA अधिनियम, 1996 अधिनियमित।
- 24 दिसंबर, 1996 को लागू (10 राज्यों में)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

1. **ग्रामसभा सर्वोच्च प्राधिकरण :** अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को मुख्य निर्णय लेने वाली संस्थाओं के रूप में मान्यता।

2. **सामाजिक व संस्कृति का संरक्षण :** स्थानीय परंपराओं, धार्मिक प्रथाओं और जनजातीय सामाजिक प्रणालियों का सम्मान।

3. **प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण :** ग्राम सभाओं को लघु वन, उत्पादों, ग्राम जल निकाय और सामूदायिक भूमि पर अधिकार प्रदान किए गए।

4. **भूमि अधिग्रहण :** ग्रामसभा की अनुमति की अनिवार्यता।

5. **लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण ; ग्राम सभा के अधिकार-**

   A. जल, जंगल, जमीनी संसाधन

   B. लघु वनोत्पाद

   C. मानव संसाधन

   D.स्थानीय बाजारों का प्रबंधन

   E.भूमि अलगाव को रोकना

   F. मादक पदार्थों पर नियंत्रण

6. संघर्षों का समाधान

7. ग्राम सभा : पब्लिक वॉचडॉग के रूप में कार्य

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु :

- **अनुच्छेद-342 :** भारत में अधिकांश जनजातियों को सामूहिक रूप से 'अनुसूचित जनजाति' के रूप में मान्यता दी गई।
- **अनुच्छेद-244 :** भाग 10 में अनुसूचित और जनजातीय क्षेत्र में निहित अनुच्छेद- 244 (अनुसूचित क्षेत्रों एवं जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन) द्वारा इन्हें आत्मनिर्णय के अधिकार की गारंटी दी गई है।
- **5वीं अनुसूची :** अनुसूचित और जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन एवं नियंत्रण उपबंध।
- **6वीं अनुसूची :** असम, मिजोरम, मेघालय और त्रिपुरा राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन संबंधी उपबंध।
- **5वीं अनुसूची के 10 राज्य :** आन्ध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

पैक्स सिलिका

चर्चा में क्यों?

- भारत को पैक्स सिलिका में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- यह एक अमेरिकी नेतृत्व वाली पहल है, जिसका उद्देश्य एक सुरक्षित, लचीला, इनोवेशन-संचालित प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।
- यह कार्यक्रम पूरी प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखला को कवर करता है, जिसमें शामिल हैं:
- सेमीकंडक्टर और AI इंफ्रास्ट्रक्चर
- महत्त्वपूर्ण खनिज और ऊर्जा इनपुट
- एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और हाई-एंड हार्डवेयर
- कंप्यूट और डेटा लॉजिस्टिक्स

मुख्य बिन्दु:

- ज़बरदस्ती की निर्भरता को कम करना।
- संवेदनशील टेक्नोलॉजी की रक्षा करना और भरोसेमंद डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना।
- सदस्य: जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

फसल उत्सव

चर्चा में क्यों?

- ये त्योहार, जो पूरे देश में अलग-अलग नामों और रीति-रिवाजों से मनाए जाते हैं, मौसम में बदलाव, सूर्य की उत्तर दिशा की यात्रा (उत्तरायण), और फसलों की कटाई का प्रतीक हैं।

मुख्य बिन्दु:

पारंपरिक फसल उत्सव

- **मकर संक्रांति (महाराष्ट्र):** यह सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का प्रतीक है।
- **उत्तरायण (गुजरात और राजस्थान):** यह पतंग उड़ाने के लिए जाना जाता है, जो सूर्योदय की याद दिलाता है और खुशी और उत्सव का दिन है।
- पोंगल (तमिलनाडु): यह चार दिवसीय फसल उत्सव है, जिसमें थाई पोंगल, मट्टू पोंगल, कानम पोंगल और भोगी शामिल हैं, लोग चावल और दाल का पकवान पोंगल पर बनाते हैं।
- **लोहड़ी (पंजाब):** मकर संक्रांति से एक दिन पहले मनाया जाने वाला यह त्योहार रबी फसलों की कटाई का प्रतीक है और इसे अलाव के चारों ओर लोकगीतों, भांगड़ा और गिद्दा के साथ मनाया जाता है।
- **माघ बिहू (असम):** यह फसल कटाई के मौसम के अंत का जश्न सामुदायिक दावतों, पारंपरिक खेलों और मेजी नामक अलाव के साथ मनाता है।
- **कनुमा (तेलंगाना):** यह कृषि क्षेत्र के प्रति आभार और प्रशंसा व्यक्त करने का त्योहार है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

DRDO ने तीसरी पीढ़ी की MPATGM का सफल फ्लाइट-टेस्ट किया

चर्चा में क्यों?

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने तीसरी पीढ़ी की फायर एंड फॉरगेट मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल, या MPATGM का एक चलते हुए टारगेट के खिलाफ टॉप अटैक क्षमता के साथ सफल फ्लाइट-टेस्ट किया है।

मुख्य बिन्दु:

- यह फायर-एंड-फॉरगेट मिसाइल DRDO द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित की गई है।
- 'फायर एंड फॉरगेट' टाइप की मिसाइल एक ऐसी हथियार प्रणाली को कहते हैं जो लॉन्च से पहले टारगेट पर लॉक हो जाती है और फायर करने के बाद ऑपरेटर से किसी और गाइडेंस की ज़रूरत नहीं होती है।
- यह अत्याधुनिक स्वदेशी टेक्नोलॉजी से लैस है, जिसमें इमेजिंग इंफ्रारेड होमिंग सीकर, टैन्डम वॉरहेड, ऑल-इलेक्ट्रिक कंट्रोल एक्चुएशन सिस्टम, फायर कंट्रोल सिस्टम, प्रोपल्शन सिस्टम और एक हाई-परफॉर्मेंस साइटिंग सिस्टम शामिल हैं।
- यह मिसाइल दिन और रात के युद्ध अभियानों में सक्षम है और आधुनिक मुख्य युद्धक टैंकों को प्रभावी ढंग से हरा सकती है।
- इसे ट्राइपॉड के साथ-साथ मिलिट्री वाहन लॉन्चर से भी लॉन्च किया जा सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

टेक्स-रेम्पस योजना (Tex-RAMPS)

चर्चा में क्यों?

- "भारत का वस्त्र उद्योग": विकास, विरासत और नवाचार का ताना बाना विषय के साथ वस्त्र मंत्रालय द्वारा गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रियों के सम्मेलन में टेक्स-रेम्पस (Tex-RAMPS) योजना हेतु 15 राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

मुख्य बिन्दु:

- **पूर्ण रूप –** वस्त्र केन्द्रीय अनुसंधान, मूल्यांकन, निगरानी योजना और प्रारंभ योजना।
- **उद्देश्य–** वस्त्र संबंधी सांख्यिकीय उत्पादों और अनुसंधान की व्यापकता, गुणवत्ता, समयबद्धता और विश्वसनीयता में सुधार करना।
- **मंत्रालय–** वस्त्र मंत्रालय।
- **स्वरूप–** केन्द्रीय क्षेत्रक योजना (पूर्णत: केन्द्र द्वारा वित्त पोषित)
- **अवधि–** वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक (16वें वित्त आयोग की अवधि) तक।
- **कवरेज–** हथकरघा, हस्तशिल्प, परिधान और तकनीकी वस्त्रों सहित प्रमुख वस्त्र उपक्षेत्रों में एकीकृत योजना के रूप में लागू की गई।

वित्तीय सहायता:-

- **राज्य व केन्द्र शासित प्रदेश –** प्रति वर्ष 12 लाख रुपये का वार्षिक अनुदान।
- **जिला–** प्रत्येक जिले को 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता, जो जिला कार्य योजनाओं के विकास से जुड़ी होगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

प्रमुख घटक –

1. एकीकृत वस्त्र सांख्यिकी प्रणाली (ITSS)
2. अनुसंधान और नवाचार
3. डेटा विश्लेषण व निदान
4. क्षमता विकास
5. स्टार्टअप एवं सहायता

अपेक्षित परिणाम:

1. सहकारी संघवाद की मजबूती।
2. भारत के 350 अरब डॉलर के वस्त्र उद्योग के रोडमैप का समर्थन

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक परिदृश्य

भारत का मछली उत्पादन FY 2013-14 से FY 2024-25 तक दोगुना हो गया है।

चर्चा में क्यों?

- भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है, जो वैश्विक उत्पादन में 8% का योगदान देता है, और लगभग 3 करोड़ मछुआरों और मछली किसानों को रोज़गार देता है।
- मछली उत्पादन 95.79 लाख टन (FY 2013-14) से बढ़कर 197.75 लाख टन (FY 2024-25) हो गया है, जो कृषि सकल मूल्य वर्धित (GVA) में 7.43% का योगदान देता है, जो कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सबसे ज़्यादा है।
- औसत एक्वाकल्चर उत्पादकता बढ़कर 4.77 टन प्रति हेक्टेयर हो गई है।
- भारत ने 2023-24 के दौरान 16.98 लाख टन समुद्री भोजन निर्यात किया।

मुख्य बिन्दु:

- **प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY):** "ब्लू रिवोल्यूशन" को आगे बढ़ाने वाली एक प्रमुख योजना, यह बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने पर केंद्रित है, जिसमें पिंजरों, बायोफ्लॉक इकाइयों, रीसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (RAS), और ब्रूड बैंकों के लिए मंज़ूरी दी गई है।
- **मत्स्य पालन और एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (FIDF):** 2018-19 में समुद्री और अंतर्देशीय मत्स्य पालन दोनों क्षेत्रों में मत्स्य पालन बुनियादी ढांचे की सुविधाओं के निर्माण और 2020 तक 15 मिलियन टन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए स्थापित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **सैटेलाइट प्रौद्योगिकी एकीकरण:** वेसल कम्युनिकेशन और सपोर्ट सिस्टम, ओशनसैट का अनुप्रयोग, आदि।
- **प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (PMMKSSY):** यह 2024 में PMMSY के तहत 4 साल की अवधि के लिए एक केंद्रीय क्षेत्र उप-योजना है, जो पहचाने गए वित्तीय और तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से क्षेत्र की अंतर्निहित कमजोरियों को दूर करने के लिए है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजव्यवस्था

उत्तर प्रदेश राज्य बनाम अनुराध और अन्य मामला, 2026

चर्चा में क्यों?

- उत्तरप्रदेश राज्य बनाम अनुराध और अन्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने सहमति से बने किशोर संबंधों से जुड़े मामलों में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (POCSO) अधिनियम, 2012 के बढ़ते उपयोग पर चिंता व्यक्त की।

मुख्य बिन्दु:

- निर्णय – बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए बनाए गए कानून का अक्सर परिवारों द्वारा युवा जोड़ों के खिलाफ तब इस्तेमाल किया जाता है, जब एक साथी 18 वर्ष से कम आयु का होता है, न्यायालय ने केन्द्र सरकार से सुधारात्मक उपायों पर विचार करने का आग्रह किया।

भारतीय कानून में सहमति की आयु:

- **अर्थ –** यह वह कानूनी रूप से निर्धारित आयु है, जिस पर किसी व्यक्ति को यौन गतिविधि के लिए सहमति देने में सक्षम माना जाता है।
- **भारत में लिंग–** तटस्थ POCSO अधिनियम, 2012 के तहत् यह आयु 18 वर्ष है।
- 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को कानूनी रूप से "बच्चा" माना जाता है और उनकी सहमति का कोई कानूनी महत्त्व नहीं होता।
- **नाबालिग के साथ यौन गतिविधि स्वत:** ही वैधानिक बलात्कार की श्रेणी में आती है, चाहे सहमति हो या न हो।
- **POCSO अधिनयम, 2012 के तहत् धारा–19 –** अपराध के बारे में ज्ञात/संदेह वाले व्यक्ति को धारा–19 के तहत् रिपोर्ट करना अनिवार्य है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **सहमति की आयु का कानूनी रूप से विकास:–**

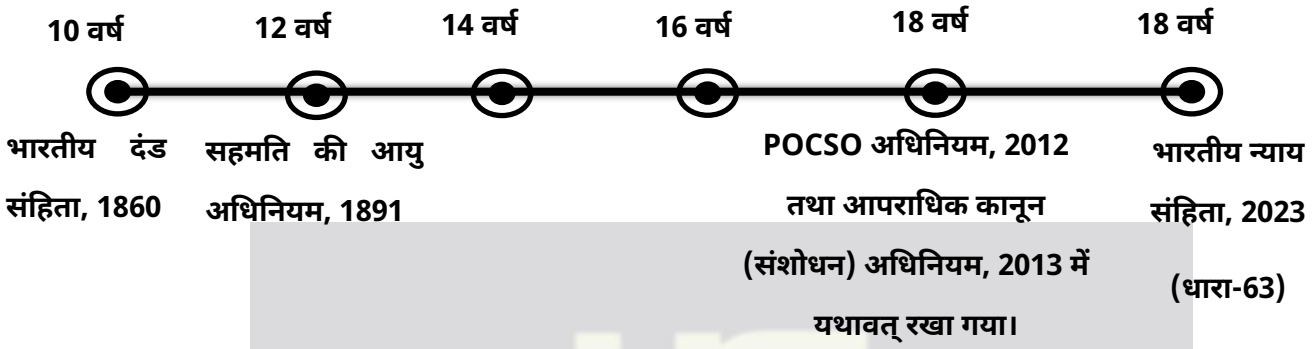

- **बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 – इसमें सहमति की आयु महिलाओं के लिए 18 वर्ष और पुरुषों के लिए 21 वर्ष निर्धारित की गई है।**

सहमति की आयु से संबंधित अन्य मामले (न्यायिक दृष्टिकोण) –

1. **स्टेट बनाम हितेश, दिल्ली उच्च न्यायालय मामला, 2025 :– किशोरों के मध्य सहमति से बने संबंधों को मान्यता दी जानी चाहिए।**
2. **आशिक रामजय अंसारी बनाम महाराष्ट्र राज्य मामला, 2023:– यौन स्वायतता में सहमति से यौन गतिविधि में संलग्न होने का अधिकार और यौन आक्रामकता से सुरक्षा का अधिकार शामिल है।**
3. **मोहम्मद इफ़ायत अली बनाम दिल्ली राज्य, दिल्ली उच्च न्यायालय, 2025 – POCSO अधिनियम के तहत् यदि पीड़ित 18 वर्ष से कम आयु का है तो सहमति कानूनी रूप से अप्रासंगिक है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

ट्रेड वॉच क्वार्टरली रिपोर्ट : नीति आयोग

चर्चा में क्यों?

- 6 जनवरी, 2026 को नीति आयोग द्वारा ट्रेड वॉच क्वार्टरली रिपोर्ट का 5वाँ संस्करण जारी किया गया, जिसमें बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत के व्यापार प्रदर्शन का व्यापक और आँकड़ों पर आधारित मूल्यांकन प्रस्तुत किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **जारी :** वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून, 2025) के लिए नीति आयोग द्वारा जारी किया गया।
- इस तिमाही के अंक का विषयगत खंड भारत के ऑटोमेटिव निर्यात पर केंद्रित है।

रिपोर्ट के मुख्य बिन्दु :

1. **व्यापार घाटे में वृद्धि :** वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल और जून) में मुक्त व्यापार समझौते (FTA) साझेदारों के साथा भारत का व्यापार घाटा 59.2% बढ़ गया है।
2. **आयात-निर्यात :**

   निर्यात – 9% गिरकर 38.7 अरब डॉलर।

   आयात – 10% बढ़कर 65.3 अरब डॉलर।
3. **निर्यात में संरचनात्मक परिवर्तन :** 47% वार्षिक वृद्धि के साथ इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र (निर्यात में 11% हिस्सा) शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरा है।

- पेट्रोलियम निर्यात में अत्यधिक गिरावट दर्ज की गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4. **आयात में परिवर्तन :**

- सोने के यौगिकों और पेट्रोलियम की बढ़ती मांग के कारण संयुक्त अरब अमीरात से आयात में 28.7% की वृद्धि।
- इलेक्ट्रॉनिक घटकों के कारण चीन से आयात में 16.3% की वृद्धि।

5. **घाटे का मुख्य कारण, आसियान :** कुल घाटा आसियान को निर्यात में 16.9% की गिरावट के कारण हुआ है, जो भारत का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता (FTA) निर्यात बाजार है।

- मलेशिया (-39.7%) और सिंगापुर (-13.2%) में अत्यधिक गिरावट मुख्य है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु :

- भारत की निर्यात वृद्धि : भारत का कुल निर्यात 2023-24 में 778.21 बिलियन डॉलर है।

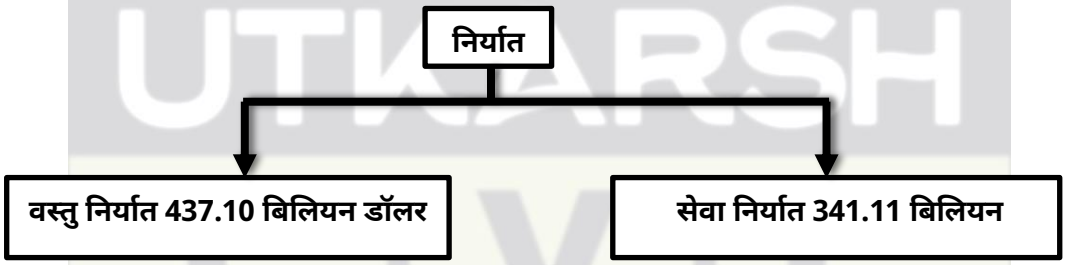

- निर्यात गंतव्य क्षेत्र : उत्तरी अमेरिका > यूरोपीय संघ > पश्चिम एशिया > आसियान

क्र.सं.	निर्यात गंतव्य देश	आयात के स्रोत देश
1st	संयुक्त राज्य अमेरिका	चीन
2nd	संयुक्त अरब अमीरात (UAE)	रूस
3rd	चीन	संयुक्त अरब अमीरात (UAE)
4th	नीदरलैंड	संयुक्त राज्य अमेरिका

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

रिस्पॉन्सिबल नेशंस इंडेक्स (RNI)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल फाउंडेशन द्वारा रिस्पॉन्सिबल नेशंस इंडेक्स की शुरुआत की।
- यह भारत का पहला वैश्विक स्तर पर आधारित सूचकांक है जो जिम्मेदार शासन स्थिरता और वैश्विक जिम्मेदारी के आधार पर देशों का मूल्यांकन करता है।

मुख्य बिन्दु:

- **औपचारिक शुभारंभ –** 19 जनवरी, 2026 को अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली में।
- **विकास –** वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल फाउंडेशन द्वारा।
- **सहायता –** जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, IIM मुंबई और डॉ.अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर के सहयोग से विकसित।
- **परिचय –** यह देशों का मूल्यांकन पारंपरिक शक्ति या GDP केन्द्रीय मापदंडों के बजाय जिम्मेदार शासन के आधार पर करता है।
- **शामिल देश –** 154 देश, यह सूचकांक विश्वसनीयता और तुलनीयता सुनिश्चित करने हेतु पारदर्शी और वैश्विक स्तर पर प्राप्त आँकड़ों का उपयोग करता है।

RNI के आयाम – 3

1. **पर्यावरणीय उत्तरदायित्त्व –** प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन और जलवायु संबंधी कार्यवाही का आंकलन।
2. **आंतरिक उत्तरदायित्त्व –** गरिमा व न्याय और नागरिक कल्याण का मूल्यांकन।
3. **बाह्य उत्तरदायित्त्व –** शांति, बहुपक्षीय सहयोग और वैश्विक स्थिरता में योगदान।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्व –

- **भारत का पहला वैश्विक स्तर पर आधारित सूचकांक, जिसमें जिम्मेदार शासन, सामाजिक कल्याण, पर्यावरण संरक्षण और वैश्विक जिम्मेदारी के आधार पर देशों का आँकलन करता है।**
- **यह सूचकांक नैतिकता, उत्तरदायित्त्व, वैश्विक खाद्य सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय मामलों में सतत् नेतृत्व पर वैश्विक संवाद को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।**
- **वैश्विक शासन में सुधार के दृष्टिकोण के अनुरूप मूल्य – आधारित और मानव केंद्रित ढाँचे को बढ़ावा देता है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

हेनली पासपोर्ट इंडेक्स

चर्चा में क्यों?

- हेनली पासपोर्ट इंडेक्स, 2026 में भारत की रैंकिंग में सुधार हुआ है और यह 80वें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि वर्ष 2025 में देश 85वें स्थान पर था।

मुख्य बिन्दु:

- यह दुनिया के सभी पासपोर्ट की मूल, आधिकारिक रैंकिंग है, जो इस आधार पर तय की जाती है कि उनके धारक बिना पहले वीज़ा के कितने देशों में जा सकते हैं।
- यह इंडेक्स इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA) के खास डेटा पर आधारित है।
- 2026 के एडिशन में, सिंगापुर ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR